महामना मदन मोहन मालवीय एवं श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को भारत रत्न मिलने पर लोक सभा अध्यक्ष की प्रतिक्रिया

आज देश के लाखों लोगों के मन की बात पूरी हो गई। योग्य सरकार का यह निर्णय सुखदायी तो है ही लेकिन भारतीय जीवन मूल्यों की रक्षा करने वाले दो महान व्यक्तित्वों को एक साथ भारत रत्न देकर सरकार ने एक तरह से जीवन मूल्यों एवं उन पर विश्वास रखने वालों का सम्मान किया है।

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय एक अत्यन्त उच्चकोटि के आदर्श शिक्षाविद्, संस्कृति, समाज और राष्ट्रवादी मूल्यों की रक्षा करने वाले व्यक्तित्व थे। राजकीय जीवन में भी सामाजिक कार्य करने के साथ-साथ एक उदाहरण कायम करते हुए उन्होंने अनेकानेक कार्य किए हैं। भारत रत्न का सम्मान उनके व्यक्तित्व को, उनके कार्यों को आदरांजलि है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी भारत की राजनीति की ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने व्यक्तिगत प्रधानता को दूर रखकर कार्य और विकास की प्रधानता का कार्य किया। वे विकास और राष्ट्रीयता के पर्याय हैं। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में उन्होंने गांवों को, शहरों को ग्रामीण सड़क योजना से हाइवे ग्रिड से जोड़ने का काम किया और इसे व्यक्ति विशेष का नाम न देकर देश के काम आने वाली योजना का निर्माण किया। श्री वाजपेयी ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में अपने विचारों को लोगों तक पहुंचाने के लिए गांव-गांव की यात्राएं कीं, अखबारों में काम किया, कष्ट सहे। हमारे लिए वे राजनीति में शुचिता के उदाहरण हैं।

इन दोनों व्यक्तित्वों ने जीवन में राजनीतिक और सामाजिक कार्यों में समन्वय करके दिखाया है और सबको साथ लेकर चले हैं। दोनों का ही जीवन राष्ट्र के निर्माण में समर्पित रहा है। राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत ऐसे महान व्यक्तित्वों को भारत रत्न का सम्मान दिया जाना हमारे लिए अत्यंत खुशी की बात है।